एसिड पीड़िता चंचल की हुई मौत, छोटी बहन ने कहा, हार नहीं मानूंगी, लड़ती रहूंगी

पटना, 23 जून (प्रभात खबर)। मनेर के छितनावां गांव में 21 अक्टूबर, 2012 में एसिड अटैक से घायल हुई पीड़िता चंचल की गुरुवार को मौत हो गई। सुबह उसने अपने पिता शैलेश पासवान को बुखार व शरीर में दर्द की शिकायत की और फिर उसे पिता व चाचा नरेश पासवान इलाज के लिये आईजीआईएमएस लेकर आये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर छितनावां स्थित गांव गये, जहां पहुंचते ही कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। इधर, पटना पुलिस की एक टीम इस बात की जांच करेगी कि मौत का क्या कारण है? अगर जांच में मौत का कारण एसिड अटैक होना ही पाया गया, तो फिर केस हत्या में तब्दील कर दिया जायेगा। डीआईजी सेंट्रल राजेश कुमार ने अपने मातहतों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

पीड़िता के गांव के ही बादल यादव, राज कुमार, घनश्याम यादव व अनिल चार साल पहले कोचिंग जाने के दौरान हमेशा रास्ता रोक कर छेड़खानी व अश्लील हरकत करते थे। इसका चंचल ने विरोध किया था। विरोध करने पर मनचलों ने चंचल को गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी थी। इसके बाद 21 अक्टूबर, 2012 को चंचल अपनी छोटी बहन के साथ घर की छत पर सोयी हुई थी। इस दौरान चारों पीछे के रास्ते से छत पर चढ़ गये और सोयी दोनों बहनों पर तेजाब फेंक दिया था।

चंचल व उसकी बहन सोनम पर गांव के ही युवक अनिल राय, राज राय, बादल राय व धनश्याम राय ने एसिड से उस समय हमला कर दिया था, जब वह अपनी छत पर सो रही थी। इस हमले में उसका चेहरा व शरीर के अन्य अंग जल गये थे। पटना के आईजीआईएमएस, पीएमसीएच व दिल्ली के अस्पताल में इलाज होने के बाद जान बची थी, लेकिन चेहरा काफी खराब हो गया था। चंचल 28 फीसदी जल गयी थी। घटना के बाद मनेर थाने में केस संख्या 312/12 दर्ज किया गया था।

चंचल की इलाज के दौरान मौत के बाद छोटी बहन व तेजाब पीड़िता सोनम अपने को अकेला जरूर महसूस कर रही है। लेकिन उसने अभी हिम्मत नहीं हारी है। सोनम ने कहा कि हम दोनों बहनों के साथ आरोपितों ने जो किया है, उसे भगवान भी माफ नहीं करेंगे।

दीदी तो मुझे अकेली छोड़ कर चली गयी, लेकिन दीदी और अपना बदला कोर्ट के माध्यम से लूंगी। हार नहीं मानूंगी, इंसाफ की लड़ाई लड़ती रहूंगी। अदालत से सभी आरोपितों को सजा दिलाऊंगी। इतना कह कर वह फफक कर रो पड़ी। उसने बताया कि उन लोगों ने जेल से छूटने के कुछ दिनों पहले घर पर आकर केस उठाने की धमकी दी थी। उन लोगों ने गाली-गलौज कर घर पर रोड़ेबाजी भी की थी।

दानापुर सिविल कोर्ट में केस चलने के बाद पटना सिविल कोर्ट में चलने लगा। लगभग सभी लोगों की गवाही हो गयी है। लेकिन दो साल से डॉक्टर की गवाही टली हुई है। इसके बाद आरोपित जेल से छूटने के बाद डराते-धमकाते थे।

(बाकी पेज 5 पर)

इंदौर के सबसे बड़े अस्पताल में 17 मरीजों ने दम तोड़ा

इंदौर, 23 जून (एबीपी न्यूज)। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल इंदौर के एमवाय अस्पताल में एक दिन में 17 मरीजों की मौत हो गई है। मरीज के परिजन आरोप लगा रहे हैं कि अस्पताल में अचानक ऑक्सीजन की सप्लाई रुक गई थी जिसकी वजह से मरीजों की मौत हुई है लेकिन अस्पताल प्रशासन इस आरोप को बेबुनियाद बता रहा है।

अस्पताल में अपने पिता का इलाज कराने आए प्रकाश नाम के शख्स ने आरोप लगाया है कि 22 जून की रात में ऑक्सीजन की सप्लाई अचानक बाधित हो गई जिसकी वजह से उनके पिता की मौत हुई है। मृतक नारायण के बेटे प्रकाश ने बताया, दो नर्स आपस में बात कर रही थीं कि ऑक्सीजन खत्म हो गई है। एक-डेढ घंटे बाद बाहर आकर बोल दिया कि तुम्हारे पिताजी शांत हो गए हैं। और भी दो चार लोगों की मौत हुई थी। मैरे सामनें दो तीन मरे हैं।

प्रकाश के पिता नारायण की तरह 16 और मरीजों की मौत 22 जून को हुई है लेकिन एमवाय अस्पताल प्रशासन ऑक्सीजन से मरीजों की मौत की बात को सिरे से खारिज कर रहा है।

एमवाय अस्पताल के अधीक्षक बीएस पाल का कहना है, सभी डेथ उनकी नहीं हुई हैं जो ऑक्सीजन पर थे। हमारे पास 40 वेंटीलेटर हैं। सभी मरीज उन पर हैं। अगर ऑक्सीजन सप्लाई बाधित होती तो सभी पर होती।

मीडिया ने जब पूरे मामले की जांच के लिए अस्पताल प्रशासन से मरीजों की लिस्ट मांगी तो अस्पताल प्रशासन सकते में आ गया और आखिर में जानकारी देने से मना कर दिया।

बीएस पाल ने कहा, जहां तक ऐड्रेस की बात है तो हम आपको उनका एड्रेस नहीं दे सकते। उसके बहुत से रीजन होते हैं। मेडिकल पेशेंट हैं, जब तक उनकी इच्छा नहीं होगी हम ऐड्रेस नहीं दे सकते। अस्पताल प्रशासन का ये रूख सवालों के घेरे में है। यही वजह है कि कांग्रेस इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रही है।

स्नाइपर ने 3.5 किमी दूर से उड़ा दिया आईएस आतंकी का सिर, बना विश्व रिकॉर्ड

लंदन, 23 जून (एजेंसी)। कनाडा की स्पेशल फोर्स के एक स्नाइपर ने साढ़े तीन किलोमीटर (11,319 फीट) की दूरी से सटीक निशाना लगाकर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। वैश्विक इतिहास में अभी तक किसी ने भी ढाई किलोमीटर से ज्यादा दूरी का सटीक निशाना नहीं लगाया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इराक में तैनात कनाडा की ज्वाइंट टास्क फोर्स 2 के एक स्नाइपर ने पिछले महीने इराक में एक ऊंची इमारत से मैकमिलन टीएसी-50 राइफल का इस्तेमाल करते हुए इस्लामिक स्टेट के एक आतंकी को मार गिराया। वह आईएस आतंकी इराकी सेना पर हमला कर रहा था। तीन हजार 4 सौ 50 मीटर की दूरी तय कर निशाना भेदने में गोली को 10 सेकंड लगे। इस लक्ष्य की पुष्टि वीडियो कैमरा व अन्य डाटा के जरिए की गई।

इराक में तैनात कनाडा का एक स्नाइपर

इससे पहले सबसे ज्यादा दूरी से लक्ष्य भेदने का विश्व रिकॉर्ड ब्रिटिश स्नाइपर क्रैग हैरिसन के नाम था, जिन्होंने एक तालिबानी आतंकी को 2009 में 2,475 मीटर (8120 फीट) की दूरी से मार गिराया था। क्रेन ने 338 लापुआ मैग्नम राइफल का इस्तेमाल किया था। उनसे पहले कनाडा के रॉब फर्लांग ने 2002 में 2,430 मीटर (7972 फीट) से निशाना साधा था, तब उन्होंने ऑपरेशन एनाकोंडा के दौरान एक अफगानी आतंकी को मार गिराया था।

ज्वाइंट टास्क फोर्स 2 का सदस्य कनाडाई स्नाइपर ज्वाइंट टास्क फोर्स 2 का गठन मुख्य रूस से आतंकवादरोधी, स्नाइपर ऑपरेशंस और बंधकों को छुड़ाने के लिए किया गया है। इस फोर्स की अधिकतर जानकारी छुपाकर रखी जाती है। सरकार भी इस पर ज्यादा कुछ नहीं बोलती। सुरक्षा की दृष्टि से स्नाइपर और उसके पार्टनर या लोकेशन का खुलासा नहीं किया गया है। एक स्नाइपर के लिए 3,450 मीटर की दूरी से आतंकी को निशाना बनाना बेहद मुश्किल है। इसके लिए शानदार नजर, गणितीय योग्यता, हथियारों की सटीक जानकारी व बेहतरीन ट्रेनिंग की जरूरत होती है।

मुझे नहीं लगता शाही परिवार से कोई किंग या क्वीन बनना चाहेंगे-प्रिंस हैरी

लंदन, 23 जून (बीबीसी)। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के पोते प्रिंस हैरी ने कहा है कि ब्रिटिश शाही परिवार से कोई भी राजगद्दी पर स्वेच्छा से आसीन नहीं होना चाहेगा। प्रिंस हैरी ने यह बात अमरीकी मैगजीन न्यूजवीक से कही है।

मैगजीन के मुताबिक प्रिंस हैरी का दावा था- क्या शाही परिवार से कोई है महाराजा या महारानी बनने की तमन्ना रखता है? मुझे तो नहीं लगता। प्रिंस हैरी ने कहा कि वे समय आने पर अपनी जिम्मेदारियां जरूर निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि उनके भाई प्रिंस विलियम ब्रिटिश राजशाही को आधुनिक बनाने का काम कर रहे हैं। प्रिंस ने कहा कि आने वाले वक्त में यह लोगों के व्यापक हित में होगा।

प्रिंस हैरी ने यह भी कहा कि कोई भी बच्चा अपनी मां के ताबूत के साथ नहीं चलना चाहेगा। बीस साल पहले प्रिंस हैरी को अपनी मां डायना की अंत्येष्टि में ऐसा करना पड़ा था, और इस दृश्य को लाखों लोगों ने टेलीविजन पर देखा था।

क्वेटा में विस्फोट, पांच मौतें

इस्लामाबाद, 23 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में शुक्रवार सुबह हुए विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 14 अन्य लोग घायल हो गए। मरने वाले में एक पुलिसकर्मी भी शामिल है। स्थानीय समाचार पत्र डॉन के मुताबिक, विस्फोट अशांत बलूचिस्तान प्रांत के गुलिस्तान रोड पर स्थित पुलिस महानिरीक्षक एहसान महबूब के कार्यालय के पास हुआ। यहां कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर है। पुलिस ने बताया कि हम हमले की प्रकृति के बारे में कुछ नहीं कह सकते। फिलहाल जांच जारी है। घायलों को क्वेटा स्थित सिविल अस्पताल ले जाया गया है। इलाके में राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विस्फोट इतना धमाकेदार था कि आसपास के घरों की खिड़की में लगे शीशे के परखच्चे उड़ गए। हालांकि अभी तक किसी भी आतकंवादी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान बलूच राष्ट्रवादियों और इस्लामी चरमपंथियों के उग्रवाद का सामना कर रहा है।

मिताली ने कराई पत्रकार की बोलती बंद

नई दिल्ली, 23 जून (जनसत्ता)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज अपने आकर्षक बल्लेबाजी के साथ ही अपनी हाजिरजवाबी के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में मिताली राज जब बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में पहुंची तो वहां मौजूद एक पत्रकार ने उनसे पूछ लिया कि आपका पसंदीदा पुरुष क्रिकेटर कौन है? मिताली राज को पत्रकार के सवाल में छिपा लैंगिक पूर्वाग्रह नहीं भाया और उन्होंने पलटकर पत्रकार से ही पूछ लिया, क्या आप किसी पुरुष खिलाड़ी से यही सवाल पूछते? मिताली ने पत्रकार से फिर पूछा, क्या आप उनसे पूछते हैं कि आपकी पसंदीदा महिला क्रिकेटर कौन है?

मिताली ने वहां मौजूद पत्रकारों से कहा, मुझसे हमेशा पूछा जाता है कि आपका पसंदीदा क्रिकेटर कौन हैं लेकिन आप लोगों को उनसे पूछना चाहिए कि उनकी पसंदीदा महिला क्रिकेटर कौन हैं। मिताली राज ने इस मौके पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा देश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना की। टीम में कोच की भूमिका पर बोलते हुए मिताली राज ने कहा कि कोच को सख्त अनुशासन वाला होना चाहिए। भारत 24 जून को मेजबान इंग्लैंड के साथ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2017 का उद्घाटन मैच खेलेगा।

मिताली राज ने कहा कि पुरुष क्रिकेट और महिला क्रिकेट में काफी फर्क है क्योंकि महिला क्रिकेट का टीवी पर ज्यादा प्रसारण नहीं किया जाता। मिताली ने कहा बीसीसीआई ने पिछले दो घरेलू शृंखलाओं के दौरान टीवी और सोशल मीडिया पर प्रसारण सुनिश्चित करवाया ताकि महिला क्रिकेट को वाजिब पहचान मिल सके।

क्या आप किसी पुरुष खिलाड़ी से पूछते हैं कि आपकी पसंदीदा महिला क्रिकेटर कौन है?

मिताली ने यह भी साफ कर दिया कि उन्हें पुरुष क्रिकेट या क्रिकेटरों से कोई गिला नहीं है। मिताली ने बताया कि वो और उनकी सभी साती पुरुष क्रिकेट को देखते रहती हैं। मिताली ने कहा, पुरुष क्रिकेट प्रतिमान तय करता है। हम यथासंभव उनके द्वारा तय प्रतिमानों को छूने की कोशिश करते हैं। हम सब पुरुष क्रिकेट का अनुसरण करते हैं क्योंकि हम सब भी उस स्तर तक पहुंचना चाहते हैं। मिताली ने बताया कि उनके ज्यादातर साथी किसी ने किसी समय किसी पुरुष क्रिकेटर से ट्रेनिंग ले चुके हैं। मिताली के अनुसार पुरुष क्रिकेटर महिला क्रिकेटरों की तुलना में प्रशिक्षण पर ज्यादा मेहनत करते हैं।

PIXTOON छायाव्यंग्य

हिंदुस्तानी राजनीति

मेरा दलित तुम्हारे दलित से ज्यादा दलित है...

https://www.facebook.com/DailyChhattisgarh सोशल मीडिया से

कमाई बंटवारे पर आखिर आईसीसी, बीसीसीआई के बीच समझौता

सत्याग्रह ब्यूरो

आय के बंटवारे को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से उलझ रहे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अब 40.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,600 करोड़ रुपये) का राजस्व मिलेगा। यह राशि 2016 से 2013 तक आईसीसी को मिलने वाले 154 करोड़ डॉलर के कुल राजस्व की 22.8 फीसदी है। हालांकि पहले बीसीसीआई 57 करोड़ डॉलर मांग रहा था जबकि आईसीसी उसे 29.3 करोड़ डॉलर ही देने पर अड़ा था। आखिरकार लंदन में हुई आईसीसी की सालाना बैठक में दोनों पक्षों के बीच-बीच के रास्ते पर सहमति बन गई।

इसके तहत बीसीसीआई को आईसीसी की कुल आय का 22.8 फीसदी हिस्सा (लगभग 2,600 करोड़ रुपये) मिलेगा

राजस्व पाने के मामले में इंग्लैंड का स्थान दूसरा होगा। उसे 13.9 करोड़ डॉलर की आमदनी मिलेगी। यह भारत को मिलने वाली आय का महज एक तिहाई है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में से हर एक को 12.8 करोड़ डॉलर की राशि मिलेगी। पूर्ण सदस्यों में सबसे कम जिम्बाब्वे को 9.4 करोड़ डॉलर की रकम दी जाएगी। इस बैठक में आईसीसी के पूर्ण सदस्यों को कुल 86 फीसदी राजस्व देने का निर्णय लिया गया। वहीं शेष 14 फीसदी राशि को इसके एसोसिएयट सदस्यों के बीच बांटने का फैसला हुआ है।

सुलह के साथ ही आईसीसी और बीसीसीआई के बीच महीनों से चल रहा राजस्व वितरण विवाद सुलझ गया। आईसीसी के मौजूदा अध्यक्ष भारत के ही शशांक मनोहर हैं। वे दो बार बीसीसीआई अध्यक्ष भी रह चुके हैं। आलोचकों का मानना है कि राजस्व वितरण का नया मॉडल उन्हीं के दिमाग की उपज है। इसे लेकर बीसीसीआई आईसीसी से नाराज चल रहा था। भारत का मानना है कि क्रिकेट के कुल राजस्व में उसकी हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है इसलिए उसे अधिक आय मिलनी चाहिए। आखिरकार शशांक मनोहर ने बीसीसीआई को पहले से 11.2 करोड़ डॉलर ज्यादा देने का फैसला लिया जिस पर दोनों पक्षों में सहमति बन गई।

PIXTOON छायाव्यंग्य

https://www.facebook.com/DailyChhattisgarh

हमेशा अपनी फैशन के लिए चौकन्ना रहने वाली ब्रिटिश पीएम वहां की संसद में बोलते हुए, और टीवी पर इसे देखते हुए जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल...